Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 17 September 2024

Amar Ujala
Page - 01, 07

डीडीयू : 500 छात्रों को प्रमाणपत्र वितरित करेंगे सीएम योगी

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में 21 सितंबर को सैमसंग इनोवेशन कैंपस की ओर से प्रमाणपत्र वितरण का आयोजन किया जाएगा। इसमें सीएम योगी डीडीयू और आईटीएम बीटेक के 500 छात्र, छात्राओं को प्रमाणपत्र वितरित करेंगे।

सीएम योगी।

डीडीयू में इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. उमेश यादव ने बताया कि इंजीनियरिंग संस्थान के तृतीय और चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 'स्वदेश' संस्था द्वारा चार कोर्स एआई, बिग डाटा, आईओटी और कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग का संचालन किया गया था। संवाद

भावनात्मक रूप से समायोजित व्यक्ति मानसिक रूप से स्वस्थ

डीडीयू के मनोविज्ञान विभाग में प्रोफेसर एलबी त्रिपाठी स्मृति व्याख्यान का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

व्याख्यान में मंचासीन प्रो. राकेश पांडेय, प्रो. आनंद प्रकाश, प्रो. सुषमा पांडेय, प्रो. अनुभूति दुबे व अन्य। स्रोत-डीडीयू

गोरखपुर। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी मनोविज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश पांडेय ने कहा कि समाज में ऐसे व्यक्ति जो सचेत और भावनात्मक रूप से समायोजित होते हैं वे मानसिक रूप से अत्यधिक स्वस्थ होते हैं। वहीं ऐसे व्यक्ति जो सचेत नहीं होते एवं भावनात्मक रूप से कमजोर होते हैं उन्हें मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं सबसे अधिक होती हैं।

प्रो.पांडेय दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में प्रोफेसर एलबी त्रिपाठी मेमोरियल लेक्चर में मुख्य वक्ता के रूप में अपना विचार व्यक्त कर रहे थे। वह डिस्पोजिशनल माइंडफुलनेस के अंतर्गत पृथक मनोवैज्ञानिक तंत्रों को एकीकृत करना, मानसिक स्वास्थ्य संबंध शीर्षक पर अपना व्याख्यान दे रहे थे। उन्होंने बताया कि माइंड फुलनेस का स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव होता है। मुख्य अतिथि डीडीयू मनोविज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर आनंद प्रकाश ने कहा कि वर्तमान ही एकमात्र वास्तविकता है। वर्तमान वह है जहां अतीत विलीन हो जाता है और भविष्य विकसित होता है।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर एलबी त्रिपाठी के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर की गई। इसके बाद विभागाध्यक्ष प्रो. धनंजय कुमार ने अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. अनुभूति दुबे ने कार्यक्रम की थीम प्रस्तुत करते हुए पूर्व में हुए 11 स्मृति व्याख्यानों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान प्रो. सुषमा पांडेय, प्रो. अनुभूति दुबे एवं प्रोफेसर धनंजय कुमार के द्वारा सम्पादित "ह्यूमन बिहेवियर इन सोशियोकल्चरल कांटेस्ट" नामक पुस्तक के दोनों संस्करण का विमोचन हुआ। डीन आर्ट्स प्रो. राजवंत राव ने प्रोफेसर लाल बच्चन त्रिपाठी की अपनी स्मृतियों को साझा करते हुए कार्यक्रम के आयोजन के लिए मनोविज्ञान विभाग की सराहना की। संचालन डॉ. गरिमा सिंह द्वारा एवं औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन डॉ. गिरिजेश यादव ने किया।

आदित्य एल-1 में टेलीस्कोप को तैयार करने वाले वैज्ञानिक से आज रूबरू होंगे छात्र

खगोल भौतिकी केंद्र पुणे में तैनात प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी ने तैयार किया है टेलीस्कोप

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में अंतरिक्ष विज्ञान पर कार्यशाला का आयोजन 17 सितंबर को दोपहर 2:30 बजे से किया जाएगा। इसमें इंटर यूनिवर्सिटी फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (आईयूसीएए), पुणे के वैज्ञानिक और आदित्य एल-1 के टेलिस्कोप तैयार करने वाले प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी और इसरो के स्पेस फिजिक्स लैब के डॉ. मुकुंद गोगाई छात्रों को अंतरिक्ष की पहेलियों से रूबरू कराएंगे। गोरखपुर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता विज्ञान संकाय व आईसीएआरडी के समन्वयक प्रो. शांतनु रस्तोगी ने बताया कि प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी सोलर फिजिक्स (आदित्य एल-1) पर व्याख्यान देंगे। डॉ. मुकुंद 'ऑब्जर्वेशन फ्रॉम ग्राउंड टू स्पेस : एरोसोल्स इन क्लाइमेट डायनामिक्स' पर व्याख्यान देंगे। इस कार्यशाला का उद्देश्य पीजी के विद्यार्थियों और शोधार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र के दिग्गजों के अनुभवों को साझा करना है। संवाद

बीबीए में आज स्पॉट काउंसिलिंग से प्रवेश का मौका

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग के अंतर्गत बीबीए प्रथम सेमेस्टर (सत्र 2024-25) में स्पॉट काउंसिलिंग में बची हुई सीटों पर प्रवेश मंगलवार को किया जाएगा। इसके लिए सभी संवर्ग के 96 अंक तक नंबर प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी मूल प्रमाण-पत्र, अद्यतन स्थानांतरण प्रमाण-पत्र, उनकी छायाप्रति के साथ व्यवसाय प्रशासन विभाग पहुंच कर प्रवेश ले सकते हैं। संवाद

Hindustan
Page - 03, 07

बीटेक के 500 विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र देंगे सीएम

आयोजन

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 21 सितंबर को सैमसंग इनोवेशन कैंपस द्वारा प्रमाणपत्र वितरण का आयोजन किया गया है। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ डीडीयू और आईटीएम के बीटेक के 500 छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र वितरित करेंगे।

- 21 सितंबर को सैमसंग इनोवेशन कैंपस द्वारा डीडीयू में प्रमाणपत्र वितरण का आयोजन
- प्रमाणपत्र पाने वाले डीडीयू और आईटीएम के छात्रों को प्लेसमेंट दिलाने की भी होगी कोशिश

डीडीयू में इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. उमेश यादव ने बताया कि इंजीनियरिंग संस्थान के तृतीय और चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 'स्वदेश' संस्था द्वारा चार कोर्स एआई, बिग डाटा, आईओटी और कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग का संचालन किया गया था। प्रशिक्षण के बाद आयोजित परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सैमसंग इनोवेशन कैंपस (एसआईसी) कार्यक्रम का प्रमाणपत्र वितरित किया जाएगा। इनमें 300 विद्यार्थी डीडीयू और 200 आईटीएम के हैं।

सीएम योगी ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति के लिए अपनी सहमति दे दी है। इस योजना के तहत इन विद्यार्थियों को न सिर्फ इंटरव्यू के लिए तैयार किया जाएगा बल्कि कैंपस प्लेसमेंट के लिए कंपनियों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

प्रो. उमेश यादव ने बताया कि प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी। उनके अलावा सैमसंग इंडिया से सीएसआर एंड कॉरपोरेट संचार के प्रमुख शुभम मुखर्जी, सार्वजनिक मामलों के उपाध्यक्ष राजीव अग्रवाल और डीजीएम सीएसआर समरेन्द्र बेहरा भी उपस्थित रहेंगे। इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया से ईएसएससीआई की सीईओ डॉ. अभिलाषा गौर, स्ट्रेटेजिक पार्टनर वीपी सरोज आपटो, प्रोजेक्ट हेड एकांश राज भी उपस्थित रहेंगे।

जिले के तीन शिक्षकों को एडुलीडर्स कर्मयोगी अवार्ड

गोरखपुर। जिले के तीन शिक्षकों प्रभात त्रिपाठी, कृपा शंकर यादव और शालिनी चौधरी को शिक्षण में उनके नवाचार और उत्कृष्ट कार्यों के लिए एडुलीडर्स कर्मयोगी अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान सोमवार को नोएडा में आयोजित समारोह के दौरान प्रदान किया गया, जिसे आरआर ग्लोबल और हेमा फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में देशभर के 300 से अधिक शिक्षकों को सम्मानित किया गया। यूपी के 75 जनपदों के शिक्षकों में से कुल 87 शिक्षकों को विशेष रूप से चुना गया।

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेंगे

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा संवाद भवन में 19-20 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसमें पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं पर देश-विदेश के विद्वान अपनी बात रखेंगे। संवाद भवन में एक बैनर भी लगाया जाएगा, जिसमें सभी प्रतिभागी, अतिथि और विद्यार्थी हस्ताक्षर कर पृथ्वी को सुरक्षित रखने का संकल्प लेंगे। अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल ने बताया कि कुलपति प्रो. पूनम टंडन उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करेंगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. निशि पांडेय मुख्य अतिथि होंगी। पंजाब विवि के अंग्रेजी विभाग के डॉ अक्षय कुमार बीज वक्तव्य देंगे। संगोष्ठी में 250 से अधिक शोधार्थी अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे।

बेहतरी के लिए वर्तमान, अतीत-भविष्य को जोड़ें

- गोरखपुर विश्वविद्यालय के के मनोविज्ञान विभाग में प्रो.एलबी त्रिपाठी स्मृति व्याख्यान का आयोजन
- समाज में समायोजन के लिए मानसिक रूप से स्वस्थ होना जरूरी : प्रो. राकेश

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में प्रो. एलबी त्रिपाठी स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो. सुषमा पांडेय, प्रो. अनुभूति दूबे एवं प्रो. धनंजय कुमार द्वारा संपादित पुस्तक 'ह्यूमन बिहेवियर इन सोशियोकल्चर कांटेक्स्ट' के दोनों संस्करणों का विमोचन भी हुआ।

डीडीयू के मनोविज्ञान विभाग में आयोजित व्याख्यान के दौरान उपस्थित अतिथि।

मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन इंटरनेशनल अफेयर्स प्रो आनंद प्रकाश ने कहा कि वर्तमान ही एकमात्र वास्तविकता है। वर्तमान वह है जहां अतीत विलीन हो जाता है और भविष्य विकसित होता है। वर्तमान, अतीत और भविष्य को एक साथ जोड़ना महत्वपूर्ण है, ताकि बेहतर समाज, व्यक्ति, स्वास्थ्य एवं बेहतर व्यक्तित्व के निर्माण के परिप्रेक्ष्य को स्पष्ट रूप से समझा जा सके।

मुख्य वक्ता बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश पांडेय ने कहा कि माइंडफुलनेस का स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव होता है। समाज में ऐसे व्यक्ति जो सचेत और भावनात्मक रूप से समायोजित होते हैं वे मानसिक रूप से अत्यधिक स्वस्थ्य होते हैं। डीन आर्ट्स प्रो. राजवंत राव ने प्रो. लाल बच्चन त्रिपाठी की स्मृतियों को साझा करते हुए इस आयोजन के लिए सराहना की। डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दूबे ने पूर्व के 11 व्याख्यानों के बारे में बताया।

संचालन डॉ गरिमा सिंह और धन्यवाद ज्ञापन डॉ गिरिजेश यादव ने किया। प्रो. सुधीर श्रीवास्तव, प्रो गौरहरी बेहरा, प्रो सुनीता मुर्मू, प्रो. अचल नंदिनी श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

एमएस तथा बीसीए के नए कोर्सेज में प्रवेश 19 से

गोरखपुर। डीडीयू में एमएस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस), बीसीए (मशीन लर्निंग एंड डेटा साइंस) तथा बीसीए (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) की प्रवेश प्रक्रिया 19 एवं 20 सितंबर को इंजीनियरिंग विभाग में होगी। कम आवेदन के कारण इसकी प्रवेश परीक्षा नहीं कराई जा रही है।

अंतरिक्ष विज्ञान पर कार्यशाला आज

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में अंतरिक्ष विज्ञान पर कार्यशाला का आयोजन 17 सितंबर को दोपहर 2:30 बजे से किया जाएगा। इसमें इंटर यूनिवर्सिटी फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स, पुणे के वैज्ञानिक प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी और इसरो के स्पेस फिजिक्स लैब के डॉ मुकुंद गोगाई वक्ता होंगे। डीडीयू के अधिष्ठाता विज्ञान संकाय प्रो. शांतनु रस्तोगी ने बताया कि प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी सोलर फिजिक्स (आदित्य एल 1) पर व्याख्यान देंगे।

Rashtriya Sahara
Page - 07

वर्तमान, अतीत और भविष्य को एक साथ जोड़ना महत्वपूर्णः प्रो. आनंद

- डीडीयू मनोविज्ञान विभाग में प्रो.एल बी त्रिपाठी स्मृति व्याख्यान
- माइंड फुलनेस का स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभावः प्रो. राकेश पांडे पुस्तक के दो संस्करणों का किया गया विमोचन

गोरखपुर(एसएनबी)। वर्तमान ही एकमात्र वास्तविकता है। वर्तमान वह है जहां अतीत विलीन हो जाता है और भविष्य विकसित होता है। वर्तमान, अतीत और भविष्य को एक साथ जोड़ना महत्वपूर्ण है ताकि वेहतर समाज, वेहतर व्यक्ति, वेहतर स्वास्थ्य एवं वेहतर व्यक्तित्व के निर्माण के परिप्रेक्ष्य को स्पष्ट रूप से समझा जा सके। उक्त उद्‌गार प्रोफेसर आनंद प्रकाश पूर्व विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग तथा डीन, इंटरनेशनल अफेयर्स दिल्ली विश्वविद्यालय के हैं। वे सोमवार को मनोविज्ञान विभाग, दीदउ गोविवि में वारहवें प्रोफेसर एलवी त्रिपाठी मेमोरियल लेक्चर को वतौर मुख्य अतिथि संवोधित कर रहे थे।

इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर राकेश पाण्डेय, पूर्व विभागाध्यक्ष एवं सीनियर प्रोफेसर, वनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने कहा कि माइंड फुलनेस का स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव होता है। उन्होंने वताया कि समाज में ऐसे व्यक्ति जो सचेत और भावनात्मक रूप से समायोजित होते है वे मानसिक रूप से अधिक स्वस्थ होते हैं। लेकिन जो सचेत नहीं होते एवं भावनात्मक रूप से कमजोर होते हैं उन्हें मानसिक स्वास्थ्य सम्वन्धी समस्याएं अधिक होती हैं। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. एलवी त्रिपाठी के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित करने से हुई। तत्पश्चात प्रो.धनन्जय कुमार, विभागाध्यक्ष,मनोविज्ञान विभाग ने स्वागत किया। प्रो. अनुभूति दुवे, अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने कार्यक्रम की थीम प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान 'ह्यूमन विहैवियर इन सोशियोकल्चरल कॉन्टेक्स्ट' नामक पुस्तक के दोनों संस्करणों का विमोचन हुआ जिसकी सम्पादक प्रो.सुषमा पाण्डेय, प्रोफेसर अनुभूति दुवे एवं प्रो. धनंजय कुमार हैं। इस अवसर पर प्रा.सुषमा पाण्डेय ने प्रोफेसर एलवी त्रिपाठी के जीवन कि उपलब्धियों एवं मनोविज्ञान के क्षेत्र में किए गए योगदानों पर प्रकाश डालते हुए पुस्तक के मुख्य पक्षों का संछिप्त परिचय दिया। कार्यक्रम में प्रो. राजवंत राव, डीन, आर्ट्स फैकल्टी ने प्रो. लाल वच्चन त्रिपाठी के साथ अपनी स्मृतियों को साझा किया। संचालन डॉ. गरिमा सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. गिरिजेश यादव ने दिया। कार्यक्रम में विभाग के वरिष्ठ आचार्य एवं विभिन्न महाविद्यालय के आचार्य उपस्थित रहे।

बीबीए प्रथम सेमेस्टर में रिक्त सीटों पर प्रवेश आज

गोरखपुर(एसएनबी)। दीदउ गोविवि के व्यवसाय प्रशासन विभाग के अन्तर्गत बीबीए प्रथम सेमेस्टर (सत्र 2024-25) में स्पॉट काउंसिलिंग में बची हुई सीटों पर प्रवेश निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुसार सीट की उपलब्धता एवं वरियताक्रम के अनुसार होगा। विश्वविद्यालय द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार(17 सितंबर 2024) को सुबह 11 से 01 बजे तक सभी संवर्ग के छात्र 96 अंक तक। सभी प्रवेशार्थियों व्यवसाय प्रशासन विभाग, महाराणा प्रताप परिसर, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में उपस्थित होकर प्रवेश ले सकते है।

दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी 19 से

गोरखपुर (एसएनबी)। दीदउ गोविवि के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 19 सितंबर को संवाद भवन में किया जाएगा। कुलपति प्रो. पूनम टंडन अध्यक्षता करेंगी तथा मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. निशि पांडे, पूर्व विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, लखनऊ विवि, कार्यक्रम में शामिल होंगी। वीज वक्तव्य डॉ. अक्षय कुमार प्रो. अंग्रेजी और सांस्कृतिक अध्ययन विभाग, पंजाब विवि द्वारा दिया जाएगा।

- चलेगा हस्ताक्षर अभियान, सभी लेंगे पर्यावरण संरक्षण की शपथ

संगोष्ठी का विषय 'एनवायर्नमेंटल एंड अपोकैलिप्टिक इमेजिनेशनः इको क्रिटिकल रीडिंग्स इन साउथ एशियन लिटरेचर' रखा गया है। इस संगोष्ठी के दौरान पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं पर देश विदेश के विद्वान अपनी बात रखेंगे। संगोष्ठी की एक खास बात यह है कि 'सुरक्षित पृथ्वी, सुनहरा कल' के लिए एक विशाल बैनर लगाया जाएगा, जिस पर सभी प्रतिभागी, अतिथि और विद्यार्थी हस्ताक्षर करेंगे और आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने का संकल्प लेंगे।

Dainik Jagran

शोधार्थियों में जमी गोवि की साख देश भर के मेधावी प्रवेश को इच्छुक

प्रवेश प्रक्रिया में कई प्रदेशों के अभ्यर्थियों ने किया है प्रतिभाग

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : शोधार्थियों के बीच गोरखपुर विश्वविद्यालय की बतौर शोध केंद्र साख जम गई है। सत्र 2023-24 में शोध के लिए आवेदन करने वाले में देसी-विदेशी मेधावी विद्यार्थियों की बड़ी संख्या इसका प्रमाण है। विदेश के तीन शोधार्थियों ने प्रवेश ले लिया है और आठ प्रवेश की प्रक्रिया में हैं। देश के कई राज्यों के 26 अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा से लेकर साक्षात्कार की प्रक्रिया में भी शामिल हो गए हैं। अन्य राज्यों से आवेदन करने वालों में बिहार, पश्चिम बंगाल, राजस्थान, मध्यप्रदेश और दिल्ली के शोधार्थी शामिल हैं।

गोरखपुर विश्वविद्यालय● जागरण

> देश से लेकर विदेश तक के शोधार्थी विभिन्न विषयों में शोध करने के इच्छुक हैं। आवेदन करने वालों में ऐसे शोधार्थियों की बड़ी संख्या से हम उत्साहित है। आवेदनकर्ताओं में जेआरएफ अभ्यर्थियों की बड़ी संख्या से यह साबित हो रहा है कि मेधावी शोधार्थियों ने गोवि से शोध करने को प्राथमिकता दी है।
>
> **प्रो. पूनम टंडन**, कुलपति, गोवि

अन्य राज्यों से आवेदन करने वाले शोधार्थियों में सर्वाधिक छह शोधार्थी राजनीति विज्ञान विभाग में शोध के इच्छुक हैं। चार-चार शोधार्थियों के साथ इस मामले में हिंदी व समाजशास्त्र विभाग संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है। राजनीति विज्ञान विभाग में उत्तर प्रदेश के अलावा बिहार, दिल्ली और मध्य प्रदेश के शोधार्थियों ने प्रवेश प्रक्रिया में हिस्सा लिया है।

हिंदी विषय में शोध के लिए बिहार के चार और समाजशास्त्र विषय में शोध के लिए बिहार के तीन व दिल्ली के एक शोधार्थी ने आवेदन किया है। इतिहास में बिहार के तीन, शिक्षाशास्त्र में बिहार व पश्चिम बंगाल के एक-एक, प्राचीन इतिहास में बिहार के दो, गणित, भूगोल, वाणिज्य व दर्शनशास्त्र में बिहार के एक-एक और भौतिक विज्ञान में राजस्थान के शोधार्थियों ने आवेदन किया है।

आवेदनकर्ताओं में 255 जेआरएफ व सीएसआइआर अभ्यर्थी: शोध केंद्र के रूप में गोरखपुर विश्वविद्यालय के साख जमने की पुष्टि जेआरएफ और सीएसआइआर अभ्यर्थियों की बड़ी संख्या से भी हो रही है। विभिन्न विषयों में देश भर के कुल 255 जेआरएफ व सीएसआइआर अभ्यर्थियों ने केवल आवेदन किया है बल्कि प्रवेश प्रक्रिया में भी हिस्सा लिया है।

Amar Ujala Select
Page - 04

वैज्ञानिक से आज रूबरू होंगे छात्र

खगोल भौतिकी केंद्र पुणे में तैनात प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी ने तैयार किया है टेलीस्कोप

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में अंतरिक्ष विज्ञान पर कार्यशाला का आयोजन 17 सितंबर को दोपहर 2:30 बजे से किया जाएगा। इसमें इंटर यूनिवर्सिटी फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स (आईयूसीएए), पुणे के वैज्ञानिक और आदित्य एल-1 के टेलिस्कोप तैयार करने वाले प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी और इसरो के स्पेस फिजिक्स लैब के डॉ. मुकुंद गोगाई छात्रों को अंतरिक्ष की पहेलियों से रूबरू कराएंगे।

गोरखपुर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता विज्ञान संकाय व आईसीएआरडी के समन्वयक प्रो. शांतनु रस्तोगी ने बताया कि प्रो. दुर्गेश त्रिपाठी सोलर फिजिक्स (आदित्य एल-1) पर व्याख्यान देंगे। डॉ. मुकुंद 'ऑब्जर्वेशन फ्रॉम ग्राउंड टू स्पेस : एरोसोल्स इन क्लाइमेट डायनामिक्स' पर व्याख्यान देंगे।

इस कार्यशाला का उद्देश्य पीजी के विद्यार्थियों और शोधार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र के दिग्गजों के अनुभवों को साझा करना है। ये विशेषज्ञ नवीनतम शोध और संबंधित महत्वपूर्ण बातों पर जानकारी साझा करेंगे।

आज स्पॉट काउंसिलिंग से प्रवेश का मौका

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग के अंतर्गत बीबीए प्रथम सेमेस्टर (सत्र 2024-25) में स्पॉट काउंसिलिग में बची हुई सीटों पर प्रवेश मंगलवार को किया जाएगा। इसके लिए सभी संवर्ग के 96 अंक तक नंबर प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी मूल प्रमाण-पत्र, अद्यतन स्थानांतरण प्रमाण-पत्र, उनकी छायाप्रति के साथ व्यवसाय प्रशासन विभाग पहुंच कर प्रवेश ले सकते हैं।

संगोष्ठी में हस्ताक्षर कर प्रतिभागी लेंगे पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा संवाद भवन में 19 व 20 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसमें पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं पर देश-विदेश के विद्वान अपनी बात रखेंगे। संवाद भवन में एक बैनर भी लगाया जाएगा, जिस पर सभी प्रतिभागी, अतिथि और विद्यार्थी हस्ताक्षर कर पृथ्वी को सुरक्षित रखने का संकल्प लेंगे।

अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष प्रो. अजय शुक्ल ने बताया कि कुलपति प्रो. पूनम टंडन उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करेंगी। लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. निशि पांडेय मुख्य अतिथि होंगी। पंजाब विवि के अंग्रेजी विभाग के डॉ. अक्षय कुमार अपना वक्तव्य देंगे। संगोष्ठी में 250 से अधिक शोधार्थी अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे।

Inext Page - 04

एक महीने में 11979 को मिला समाधान

i UPDATE

सर्व पोर्टल पर मिले 102 को डॉक्यूमेंट

24 घंटे में मिल रहा समाधान

डिग्री पाने के लिए सर्व पर करें आवेदन

होगा कदार

समय की बचत

सुधार पोर्टल पर आवेदन

24 घंटे में हो पूरा होता है प्रोसेस, ऑनलाइन पोर्टल से खत्म की लंबी कतार

पर्यावरण संरक्षण के लिए डीडीयू में चलेगा अभियान

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (16 Sept): दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की ओर से 19-20 सितंबर को 'एनवायरमेंटल एंड अपोकैलिप्टिक इमेजिनेशन: इकोक्रिटिकल रीडिंग्स इन साउथ एशियन लिटरेचर' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा. विश्वविद्यालय के संवाद भवन में आयोजित होने वाली संगोष्ठी में देश-विदेश के विद्वान विषय पर अपने सलाहकारी विचार रखेंगे. विभाग के अध्यक्ष प्रो. अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि संगोष्ठी के दौरान 'सुरक्षित पृथ्वी, सुनहरा कल' के लिए एक विशाल बैनर लगाया जाएगा, जिस पर सभी प्रतिभागी, अतिथि और विद्यार्थी हस्ताक्षर करेंगे और आने वाली पीढ़ी के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने का संकल्प लेंगे. विभागाध्यक्ष ने बताया कि संगोष्ठी की मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय की अंग्रेजी विभाग की आचार्य प्रो. निशि पांडेय होंगी. अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन करेंगी. इस संगोष्ठी में 250 से अधिक शोधार्थी अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे.

Rashtra Ki Parampara

अहंकार का त्याग समरसता का आधार : प्रो. राजवंत राव

Swatantra Chetna Page - 05

वर्तमान, अतीत और भविष्य को एक साथ जोड़ना महत्वपूर्ण : प्रो आनंद

- मनोविज्ञान विभाग में बारहवें प्रोफेसर एल.बी. त्रिपाठी स्मृति व्याख्यान का आयोजन
- समाज में ऐसे व्यक्ति जो सचेत और भावनात्मक रूप से समायोजित होते है वे मानसिक रूप से अत्यधिक स्वस्थ होते हैं: प्रो राकेश

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। वर्तमान ही एकमात्र वास्तविकता है। वर्तमान वह है जहां अतीत विलीन हो जाता है और भविष्य विकसित होता है। वर्तमान, अतीत और भविष्य को एक साथ जोड़ना महत्वपूर्ण है ताकि बेहतर समाज, बेहतर व्यक्ति, बेहतर स्वास्थ्य एवं बेहतर व्यक्तित्व के निर्माण के परिप्रेक्ष्य को स्पष्ट रूप से समझा जा सके। उक्त बातें डीडीयू में सोमवार को मनोविज्ञान विभाग में आयोजित बारहवें प्रोफेसर एल बी त्रिपाठी मेमोरियल लेक्चर के दौरान मुख्य अतिथि प्रो आनंद प्रकाश ने कही। प्रो आनंद मनोविज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष, तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन, इंटरनेशनल अफेयर्स हैं। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व विभागाध्यक्ष एवं बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय सीनियर प्रो. राकेश पाण्डेय थे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर एलबी त्रिपाठी के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया गया।

कार्यक्रम में प्रो अनुभूति दुबे, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, ने कार्यक्रम की थीम प्रस्तुत करते हुए पूर्व में हुए ११ स्मृति व्याख्यानों पर प्रकाश डाला। इसी कार्यक्रम के दौरान ह्यूमन बिहेवियर इन सोशियोकल्चरल कॉन्टेक्स्ट नामक पुस्तक के दोनों संस्करण का विमोचन हुआ जिसकी सम्पादक प्रो सुषमा पाण्डेय, प्रो अनुभूति दुबे एवं प्रो धनञ्जय कुमार हैं।

Super Fast Times

हर हस्ताक्षर,एक वादा- सुरक्षित धरती,सुनहरा कल

- अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में चलाया जाएगा हस्ताक्षर अभियान, सभी लेंगे पर्यावरण संरक्षण की शपथ

ख्वाजा एक्सप्रेस संवाददाता

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी पर्यावरण एवं आपदा कल्पना दक्षिण एशियाई साहित्य में पारिस्थितिकी-आलोचनात्मक अध्ययन 19-20 सितंबर 2024 को संवाद भवन में आयोजित की जाएगी। इस संगोष्ठी के दौरान देश-विदेश के विद्वान पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। संगोष्ठी के दौरान कुलपति प्रो0 पूनम टंडन से प्रेरित एक नई पहल के तहत संवाद भवन में सुरक्षित धरती,सुनहरा कल का एक विशाल बैनर लगाया जाएगा, जिस पर सभी प्रतिभागी,अतिथि और छात्र हस्ताक्षर करेंगे और भावी पीढ़ियों के लिए धरती को सुरक्षित रखने का संकल्प लेंगे। इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 19 सितंबर को होगा। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 पूनम टंडन अध्यक्षता करेंगी। कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर निशी पांडे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। मुख्य वक्ता पंजाब विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं सांस्कृतिक अध्ययन विभाग के प्रोफेसर डॉ0 अक्षय कुमार देंगे। इस संगोष्ठी में 250 से अधिक शोधार्थी अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे,जो पर्यावरण संकट और साहित्यिक दृष्टिकोण पर गहन चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।